चतुर मच्छर

(कहानी)

4

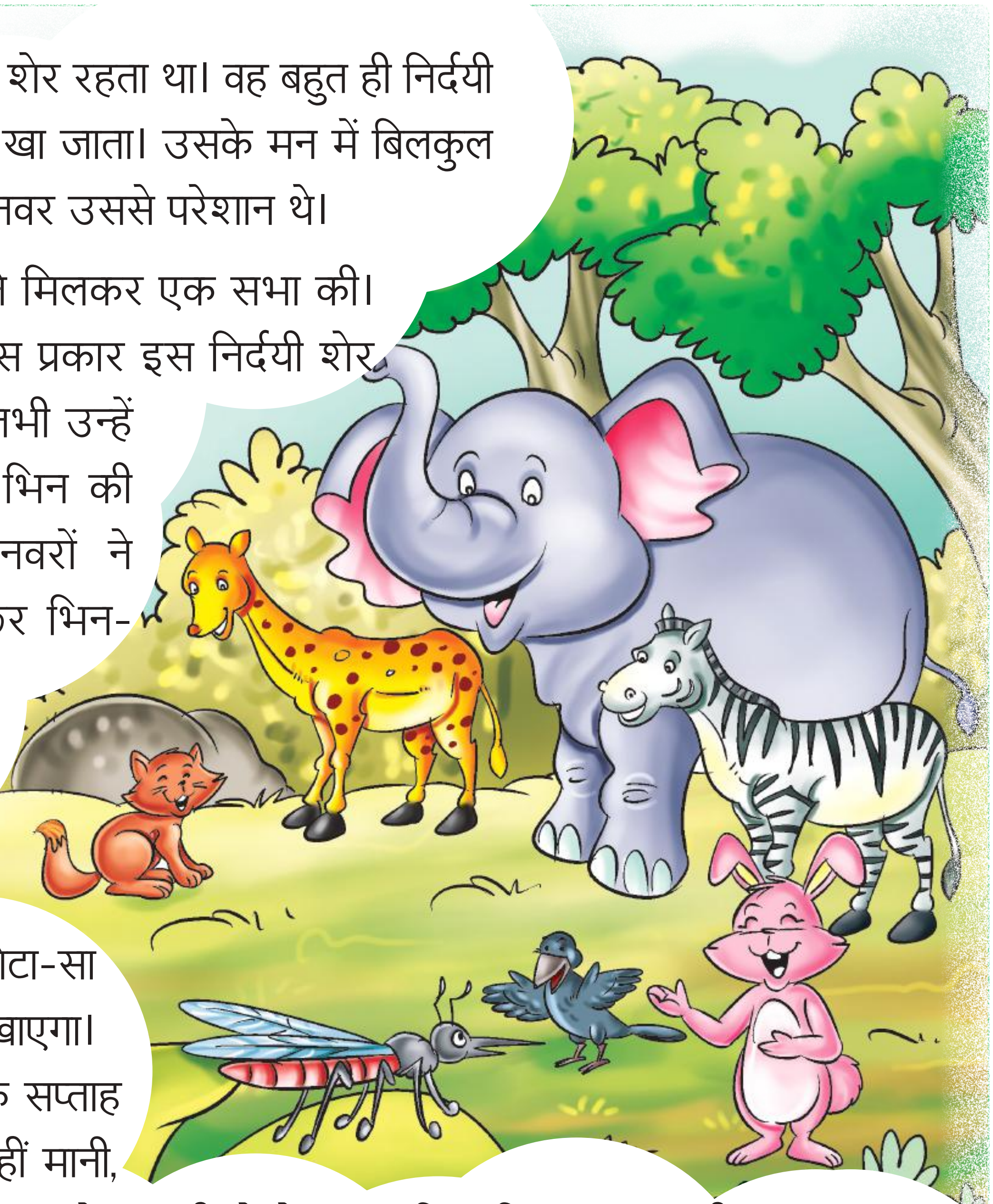

एक था जंगल। उसमें एक शेर रहता था। वह बहुत ही निर्दयी था। जिसे चाहता, मारकर खा जाता। उसके मन में बिलकुल भी दया नहीं थी। सभी जानवर उससे परेशान थे।

एक दिन सभी जानवरों ने मिलकर एक सभा की। सभी सोच रहे थे कि किस प्रकार इस निर्दयी शेर से छुटकारा पाया जाए? तभी उन्हें एक कोने से भिन-भिन-भिन की आवाज सुनाई दी। जानवरों ने मुड़कर देखा। एक मच्छर भिन-भिन करके कह रहा था।– "आप सब लोग चिंता न करें। मैं शेर को सबक सिखाऊँगा।"

सब हँस पड़े। भला छोटा-सा मच्छर शेर को सबक सिखाएगा। मच्छर बोला– "अगर एक सप्ताह में शेर ने अपनी गलती नहीं मानी, तो उसे जंगल छोड़कर जाना पड़ेगा। नहीं तो मेरा नाम भिन-भिन मच्छर नहीं।"

अगले दिन शेर भोजन करके आराम कर रहा था। इतने में मच्छर आया और उसके कान में भिन-भिन करने लगा। शेर को बड़ी मुश्किल से नींद आई थी। उसने एक पंजा उठाया। मच्छर उड़ गया। लेकिन फिर से शेर के कान में आकर भिन-भिन करने लगा।

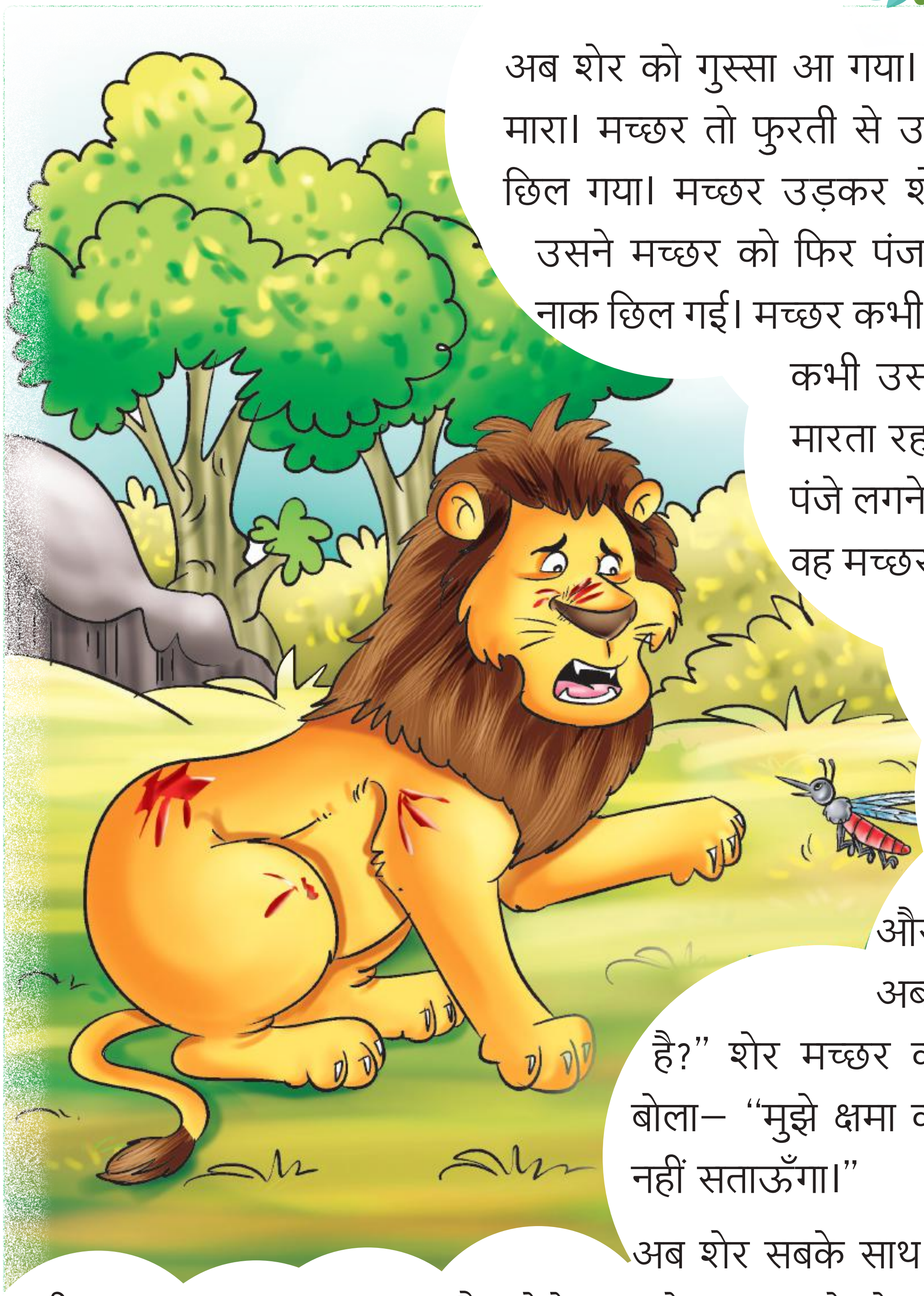

अब शेर को गुस्सा आ गया। उसने कान के पास पंजा मारा। मच्छर तो फुरती से उड़ गया पर शेर का कान छिल गया। मच्छर उड़कर शेर की नाक पर बैठा, तो उसने मच्छर को फिर पंजा मारा। इस बार शेर की नाक छिल गई। मच्छर कभी शेर की पीठ पर बैठता, तो कभी उसकी गरदन पर। शेर पंजे मारता रहा। अब बार-बार अपने ही पंजे लगने से शेर दर्द से तड़प उठा। वह मच्छर से बोला– " मच्छर भाई! तुम मुझे तंग क्यों कर रहे हो? मैंने क्या किया है?" मच्छर बोला– "तुम सब जानवरों को परेशान करते हो और मारकर खा जाते हो। अब तुम्हें क्यों बुरा लग रहा है?" शेर मच्छर की बात समझ गया और बोला– "मुझे क्षमा कर दो। मैं अब किसी को नहीं सताऊँगा।"

अब शेर सबके साथ मिल-जुलकर रहने लगा। सभी जानवर बहुत प्रसन्न हुए और बोले– "अरे वाह! तुमने तो कमाल ही कर दिया। तुमने सात दिनों की जगह एक ही दिन में शेर को सही कर दिया।"

शब्द- भंडार

निर्दयी – जिसमें दया न हो *(cruel)*, परेशान – दुखी *(worried)*, सबक सिखाना – सीख देना *(teach lesson)*, मुश्किल – कठिनाई *(difficult)*, फुर्ती से – तेजी से *(fastly)*, तड़पना – बेचैन होना *(frought)*, तंग – परेशान *(distraught)*, क्षमा – माफी *(pardon)*।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए—

निर्दयी	मच्छर	सप्ताह	मुश्किल	भिन-भिन
गुस्सा	आवाज	क्षमा	कमाल	फुरती

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए—

(क) शेर कैसा था?

(ख) शेर भोजन करके क्या कर रहा था?

(ग) मच्छर भिन-भिन करके क्या कह रहा था?

(घ) सभी जानवर किससे छुटकारा पाने की सोच रहे थे?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए—

(क) किसके मन में जरा-सी भी दया नहीं थी?

☐ मच्छर के ☐ शेर के ☐ जानवरों के

(ख) मच्छर का क्या नाम था?

☐ भिन-भिन ☐ टिन-टिन ☐ खिन-खिन

(ग) मच्छर कहाँ आकर भिन-भिन करने लगा?

☐ शेर की नाक में ☐ शेर की आँख में ☐ शेर के कान में

(घ) मच्छर ने कितने दिन में शेर को सबक सिखाने की बात कही?

☐ एक दिन में ☐ तीन दिन में ☐ सात दिन में

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(क) सभी जानवर शेर से क्यों परेशान थे?

(ख) शेर को गुस्सा क्यों आ गया?

(ग) शेर दर्द से क्यों तड़पने लगा?

(घ) मच्छर ने शेर को कैसे सबक सिखाया?

भाषा-ज्ञान

1. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए–

(क) मच्छर फुरती से ....। (उड़ गया/उड़ गई)

(ख) नानी ने कहानी ....। (सुनाया/सुनाई)

(ग) साँप अपने बिल में घुस ....। (गया/गई)

(घ) शेर को बड़ी मुश्किल से नींद ....। (आए थे/आई थी)

(ङ) मछली पानी में तैर ....। (रही थी/ रहा था)

2. नीचे दिए गए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) सात – ....

साथ – ....

(ख) हंस – ....

हँस – ....

(ग) ओर – ....

और – ....

3. समान अर्थवाले शब्दों पर (✓) का निशान लगाइए–

(क)	जानवर	–	☐ पक्षी	☐ कीड़े	☐ पशु
(ख)	मुश्किल	–	☐ सरल	☐ कठिनाई	☐ कठोर
(ग)	गुस्सा	–	☐ क्रोध	☐ शांति	☐ हँसी
(घ)	क्षमा	–	☐ आदर	☐ माफी	☐ सजा

क्रियात्मक गतिविधि

- आपने इस कहानी से क्या सीखा?